

30/5/24

पत्तावली पेरा हुई। अर्ध. वादी गम वादी अनुपास्वित।  
अर्धवन्त। प्रतिवादी सा. 6, 7 अनुपास्वित। अर्ध. प्रतिस्. 5 उप।  
रुत-रुत कर तीन-बार आबादे दिलवारी गई। सप्त सोप  
5 pm हो चुका है। अतः अर्ध. वादी व अर्ध. प्रतिस्. 6, 7 गम  
पक्षारान के अनुपास्वित वहे पर वादी का बाद व प्रतिवादी  
का प्रतिवाद अप्त हाजरी। अप्त पेंसी में खरिद किया जाता  
है। पत्तावली में सप्त क्षुमार होकर बरकर से रक्त हो।

- निर्णय सुले दिवाल क्षुमार गजा।

